Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.gisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2023 GISRRJ | Volume 6 | Issue 6 | ISSN : 2582-0095

सरकारी और निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य स्थिति

अरूणोदय त्रिपाठी
M.A.मनोविज्ञान (स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय,गाजीपुर)
वीर बहादुर सिंह पुर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर

Article Info
Volume 6, Issue 6

Page Number : 01-04

Publication Issue :
November-December-2023

Article History
Accepted : 01 Nov 2023
Published : 20 Nov 2023

शोध सारांश

प्रस्तुत शोध में सरकारी तथा निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का क्षेत्रवार अध्ययन किया गया है प्रस्तुत शोध में प्रतिदर्श का चयन उद्देशपूर्ण प्रतिदर्श विधि से किया गया एवं प्रतिदर्श के रूप में गाजीपुर जनपद के 60 शिक्षकों (30 सरकारी विद्यालयों में कार्यरत और 30 निजी विद्यालयों में कार्यरत)को शामिल किया गया है आंकड़ों के संकलन में मानसिक स्वास्थ्य के मापन हेतु कुमार एवं ठाकुर द्वारा निर्मित मिथिला मानसिक स्वास्थ्य स्थिति सूची का उपयोग किया गया है प्रदत्तो के संकलन और परिकलन के पश्चात वैकल्पिक परिकल्पना के परीक्षण के लिए टी परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन के परिणाम में निजी विद्यालयों के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य स्थिति क्षेत्र जैसे अहमकेंद्रभाव,विसंबंधन,संवेगिक अस्थिरता,एवं सामाजिक अनानुरूपता में उच्च माध्य स्कोर प्राप्त हुआ जो खराब मानसिक स्वास्थ्य स्थिति को संकेत करता है तथा अभिव्यक्ति क्षमता में प्राप्त माध्य स्कोर निजी विद्यालयों के अच्छी अभिव्यक्ति क्षमता को बताता है , लेकिन सांख्यिकीय रूप से दोनो समूहों को सार्थकता के स्तर पर सार्थक नही पाया गया ।निहितार्थ स्वरूप सरकारी और निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति में कोई खास अंतर नही पाया गया।

मुख्य शब्द— मानसिक स्वास्थ्य, मिथिला मानसिक स्वास्थ्य स्थिति सूची

प्रस्तावना

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति की भाँति भारतीय शिक्षा के इतिहास को भी अनेकानेक उत्थान पतन की घटनाओं से जूझना पड़ा है। शिक्षा एक प्रक्रिया है जो किसी लक्ष्य की ओर उन्मुख होती है। निरुद्देश शिक्षा की सफलता संदिग्ध है। शिक्षा ही नहीं, अपितु प्रत्येक क्रिया का कोई न कोई उद्देश्य होता है। लक्ष्य, क्रिया के परिणामों का द्योतक है। उसी लक्ष्य को उद्दिष्ट करके क्रिया की जाती है। भारत की पहचान सदैव ज्ञान परंपरा और ज्ञान संस्कृति के रूप में रही है। प्राचीन सभ्यताएं ज्ञान के क्षेत्र में भारत का ऋण मानती रही है। प्राचीन शिक्षा का इतिहास भारतीय सभ्यता का भी इतिहास है। प्राचीन भारत में जिस शिक्षा व्यवस्था का निर्माण किया गया था वह समकालीन विश्व के शिक्षा व्यवस्था से समुन्नत और उत्कृष्ट थी। **एफ डब्लू थॉमस के अनुसार -** "कोई ऐसा देश नहीं जहाँ ज्ञान के प्रति अतीत काल से इतना प्रेम हो जहाँ ज्ञान का इतना स्थाई तथा प्रभावशाली प्रभाव हो। वैदिक काल में सदैव कवियों से लेकर आजकल के बंगाली दार्शनिक तक शिक्षकों

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

और विद्वानों का एक अटूट क्रम भारत में मिलता है।'' शिक्षक का स्थान शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही महत्त्वपूर्ण है, उसके व्यक्तित्व एवं योग्यता से छात्र अत्यधिक प्रभावित तथा अनुप्रेरित होते हैं। अत: शिक्षकों को उच्च चरित्र और सहृदय होना चाहिए।

हैडफील्ड (Headfield) के अनुसार- " सामान्य रूप से मानसिक स्वास्थ्य सम्पूर्ण व्यक्तित्व का सामंजस्य पूर्णता के साथ कार्य करना है।

मानव जीवन को सुखमय एवं आनन्दमय बनाने की कुंजी एक तरह से व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में निहित होती है । यदि शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा है तो वह स्वयं और विद्यार्थियों के शारीरिक विकास, सामाजिक विकास, नैतिक विकास, सौन्दर्यात्मक विकास, योग्यताओं व प्रतिमाओं विकास आदि सभी में सहायक होता है। अतः कह सकते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है ।

गुन्थी एवं सिंह 1982 ने मानसिक स्वास्थ्य का कार्य सन्तुष्टि से संबद्ध के मध्य अध्ययन से निष्कर्ष स्वरूप पाया की व्यावसायिक मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कुल पांच कारकों में से एक प्रमुख कारक कार्य सन्तुष्टि भी है जो कि मानसिक स्वास्थ्य से उच्च स्तर पर सह संबंधित है। **चंद्रकांत, नीरज और संदीप (2015)** ने सरकारी स्कूल के शिक्षकों के बीच मानसिक स्वास्थ्य पर अध्ययन किया, परिणामों से पता चलता है कि सरकारी और निजी, पुरुष और महिला, शहरी और ग्रामीण स्कूल शिक्षकों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। स्कूल के पुरुष शिक्षकों को महिला शिक्षकों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य पर बेहतर पाया गया। जो शिक्षक शहरी क्षेत्र में तैनात हैं, उनका मानसिक स्वास्थ्य स्तर ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की तुलना में उच्च था।

समस्या कथन—

सरकारी और निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य स्थिति

शोध उद्देश

1. सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का क्षेत्रवार अध्ययन करना।
2. निजी विद्यालयों के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का क्षेत्रवार अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

1. सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों तथा निजी विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति में सार्थक अंतर पाया जाता होगा।

शोध विधियां

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में गाजीपुर जनपद में सरकारी और निजी विद्यालयों में कार्यरत 60 शिक्षकों(30 पुरुष एवं 30 महिला) का चयन किया गया था। इन न्यादर्शो का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि द्वारा किया गया था। उपकरण के रूप में कुमार और ठाकुर (1986) द्वारा निर्मित और मानकीकृत मिथिला मानसिक स्वास्थ्य स्थिति सूची का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संकलन के पश्चात उनके विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण सांख्यिकीय विधियों का उपयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1

सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति की क्षेत्रवार मध्यमान मानक विचलन एवं टी प्राप्तांक

मानसिक स्वास्थ्य स्थिति क्षेत्र	विद्यालय का प्रकार	N	M	S.D.	t value	P
अहंभाव	सरकारी विद्यालय	30	22.1	3.62	0.44	NS
	निजी विद्यालय	30	22.53	3.85		
विसंबंधन	सरकारी विद्यालय	30	20.93	4.13	0.21	NS

	निजी विद्यालय	30	21.16	4.23		
अभिव्यक्ति	सरकारी विद्यालय	30	28.66	3.46	0.84	**NS**
	निजी विद्यालय	30	27.76	4.58		
सांवेगिक अस्थिरता	सरकारी विद्यालय	30	27.06	4.33	1.06	**NS**
	निजी विद्यालय	30	28.43	5.40		
सामाजिक अनानुरूपता	सरकारी विद्यालय	30	23.23	5.12	0.9	**NS**
	निजी विद्यालय	30	24.36	4.46		
Total	सरकारी विद्यालय	30	122	8.53	0.97	**NS**
	निजी विद्यालय	30	124.26	9.21		

सार्थकता स्तर 0.01 —2.660

0.05—2.000

तालिका 1 से मानसिक स्वास्थ्य स्थिति के क्षेत्रवार आंकड़ों का अध्ययन के परिणाम यह प्रदर्शित करता है कि अहमकेंद्रवाद में सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का माध्य (22.1) एस डी(3.62) प्राप्त हुआ जबकि निजी विद्यालयों के शिक्षकों माध्य (22.53) एस डी (3.85) प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य (0.44) प्राप्त हुआ जो सार्थकता स्तर 0.01 और 0.05 पर सार्थक नही पाया गया।विसंबंधन में सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का माध्य (20.93) एस डी(4.13) प्राप्त हुआ जबकि निजी विद्यालयों के शिक्षकों माध्य (21.16) एस डी (4.23) प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य (0.21) प्राप्त हुआ जो सार्थकता स्तर 0.01 और 0.05 पर सार्थक नही पाया गया।अभिव्यक्ति क्षमता में सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का माध्य स्कोर(28.66)निजी विद्यालयों के शिक्षकों के माध्य स्कोर (27.76) से उच्च स्कोर प्राप्त हुआ जो सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की खराब अभिव्यक्ति क्षमता को दर्शाता हैं तथा सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का माध्य (28.66)एस डी(3.46) प्राप्त हुआ जबकि निजी विद्यालयों के शिक्षकों माध्य (27.76) एस डी (4.58) प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य (0.84) प्राप्त हुआ जो सार्थकता स्तर 0.01 और 0.05 पर सार्थक नही पाया गया।सांवेगिक अस्थिरता में सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का माध्य (27.06)एस डी(4.33) प्राप्त हुआ जबकि निजी विद्यालयों के शिक्षकों माध्य (28.43) एस डी (5.40) प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य (1.06) प्राप्त हुआ जो सार्थकता स्तर 0.01 और 0.05 पर सार्थक नही पाया गया।सामाजिक अनानुरूपता में सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का माध्य (23.23)एस डी(5.12) प्राप्त हुआ जबकि निजी विद्यालयों के शिक्षकों माध्य (24.36) एस डी (4.46) प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य (0.9) प्राप्त हुआ जो सार्थकता स्तर 0.01 और 0.05 पर सार्थक नही पाया गया। तालिका से पता चलता है कि मानसिक स्वास्थ्य स्थिति पर सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का संपूर्ण माध्य स्कोर (122)एस डी (8.53) है जबकि निजी विद्यालयों के शिक्षकों का संपूर्ण माध्य स्कोर (124.66) एस डी (9.21) है तथा प्राप्त टी मूल्य (0.97) है जो सार्थकता के स्तर पर सार्थक नही पाया गया ।इन परिणामों ने शोध कार्य की परिकल्पना की पुष्टि नही की, कि "सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों और निजी विद्यालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति में सार्थक अंतर पाया जाता होगा।" परिणामतः सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों और निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति में कोई खास अंतर नही पाया गया। शिक्षकों का अच्छा मानसिक स्वास्थ्य इस ओर संकेत करता है कि एक शिक्षक जो मानसिक रूप से स्वस्थ हैं वह अपने विद्यालय में सीमित संसाधन होते हुए भी अपनी योग्यता और मेहनत से अपने विद्यालय का नाम रोशन करने के साथ साथ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता ,अनुशासन, सृजनात्मकता तथा उनकी उपलब्धियों का निर्धारण एवं मूल्यांकन करने का गुण विकसित करता है । मानसिक रूप से स्वस्थ शिक्षक विद्यार्थियों के प्रति नम्र, शिष्ट,एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखेगा वह बिना भेदभाव के सब बालको के प्रति समान और प्रेम पूर्ण व्यवहार करेगा।

शोध निहितार्थ

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य स्थिति निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य स्थिति में कोई खास अंतर नही पाया गया।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. शर्मा,नमिता; शिक्षा का वैचारिक ढाँचा; एस बी पी.डी.प्रकाशन आगरा

[2]. लाल,दिपाली; राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका; श्री विनायक पब्लिकेशन आगरा

[3]. गुप्ता,एस.के.; शिक्षा मनोविज्ञान; एस बी पी डी पब्लिशिंग हाउस आगरा

[4]. सिंह, अरुण कुमार; मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां; मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली

[5]. Gunthey, R.K. & Singh, R.P. (1983). Mental Health Problems in relation to job Satisfaction. Indian Journal of applied Psychology, 19, 6871.

[6]. Davari, S. & Bagheri, M. (2012). Mental Health Status and Demographic Factors Associated with it in Teachers. Middle East Journal of Scientific Research 12 (3) : 340346.

[7]. Mohana, D.A Study Related to Mental Health of Teacher's with Reference To Level of Teaching and Teaching Experience. IOSR Journal of Research & Method in Education. Vol.1, No 5, May-June 2013 pp 61-63

[8]. Maninkandan, K. (2012). Occupational Mental Health of School and College Teachers. International Journal of Social Science & Interdisciplinary Research. Vol. 1 Issue 11, PP. 8391

[9]. Mahesh Babu N. S.G. Jadhav (2012). "Job Satisfaction and mental health of secondary school couple teachers". Golden research thoughts. Volume 2, Issue 6th December 2012, ISSN: 2231-5063.

[10]. Chanderkant Gorsy, Neeraj Panwar and Sandeep Kumar (2015) Mental Health among Government School Teachers, The International Journal of Indian Psychology,3(1),117- 124